

स्वभाव पुं. (तत्.) 1. अपना भाव 2. किसी व्यक्ति या पदार्थ में पाया जाने वाला क्रियात्मक प्राकृतिक गुण, खासियत जैसे- अग्नि का स्वभाव जलाना और जल का स्वभाव शीतलता है 3. प्रकृति 4. आदत।

स्वभावकृपण पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा का एक नाम 2. स्वभाव से कंजूस।

स्वभावज वि. (तत्.) जो स्वभाव से उत्पन्न हुआ हो, प्रकृति से उत्पन्न, प्राकृतिक, स्वाभाविक।

स्वभावज अलंकार पुं. (तत्.) 1. साहित्य में संयोग शृंगार के अंतर्गत स्त्रीजन की आकर्षक व मुग्धकारी आंगिक चेष्टाएँ या बातें जिनसे आंतरिक भावनाएँ प्रकट होती हैं, इस प्रकार की हाव-भाव की अभिव्यक्ति को साहित्य में स्वभावज अलंकार माना गया है 2. लोक में हाव।

स्वभावतः अव्य. (तत्.) स्वभाव के अनुसार, स्वभाव के अनुरूप, स्वाभाविक रूप से।

स्वभाव दक्षिण वि. (तत्.) जो स्वभाव से ही मधुर व्यवहार करने में या बाह्य रूप से मीठी-मीठी बातें करने में कुशल हो।

स्वभावसिद्ध वि. (तत्.) 1. जो स्वभाव से सिद्ध हो, स्वभाव से होने वाला, प्राकृतिक 2. सहज।

स्वभाविक वि. (तत्.) स्वभावजन्य, स्वाभाविक।

स्वभावी वि. (तत्.) 1. स्वभाव वाला 2. स्वेच्छा से आचरण करने वाला 3. मनमौजी।

स्वभावोक्ति स्त्री. (तत्.) 1. साहित्य में प्रसिद्ध वह अलंकार जिसमें किसी व्यक्ति, वस्तु आदि की स्वाभाविक क्रियाओं, विशेषताओं, गुणों आदि का वर्णन कवि जैसा देखता है वैसा ही करता है 2. इसमें किसी जातिवाचक पदार्थ के स्वाभाविक गुणों का वर्णन होने के कारण कुछ लोग इस अलंकार को 'जाति' भी कहते हैं।

स्वभाषा स्त्री. (तत्.) अपनी बोलचाल की भाषा, मातृभाषा, निजभाषा।

स्वभाषाभाषी वि. (तत्.) 1. स्वभाषा (मातृभाषा) में बोलने वाला 2. अपनी भाषा में बोलने वाले (लोग)।

स्वभाषावाद पुं. (तत्.) स्वभाषा (अपनी भाषा) के संबंध में अत्यधिक विचार वाला मत या पक्षपात।

स्वभाषावादी वि. (तत्.) अपनी भाषा के संबंध में अनुचित पक्ष लेने वाला।

स्वभू वि. (तत्.) स्वयं उत्पन्न होने वाले स्वयंभू पुं. ब्रह्मा, विष्णु, शिव।

स्वमति स्त्री. (तत्.) अपनी बुद्धि।

स्वमूल्यन पुं. (तत्.) स्वयं या खुद का मूल्यांकन।

स्वयं सर्व. (तत्.) अपने आप, खुद पुं. अपनी आत्मा।

स्वयं ज्योति वि. (तत्.) आप से आप प्रकाशित होने वाला, अपने आप चमकने वाला पुं. परब्रह्मा।

स्वयं तथ्य पुं. (तत्.) ऐसा तथ्य या सत्य जो स्वयं ही ठीक या सिद्ध हो तथा जिसे ठीक या सिद्ध करने के लिए किसी अन्य प्रमाण या तर्क की अपेक्षा न हो।

स्वयंदत्त पुं. (तत्.) (धर्मशास्त्र) ऐसा पुत्र जो अपने माता-पिता के द्वारा त्याग दिए जाने या उनकी मृत्यु के हो जाने पर अपने आपको किसी के हाथ सौंप दे अर्थात् उसका पुत्र बन जाए।

स्वयंदूत पुं. (तत्.) साहित्य में वह नायक जो अपने प्रेम या आसक्ति को स्वयं जाकर नायिका पर प्रकट करता है।

स्वयं दूतिका/स्वयंदूती स्त्री. (तत्.) 1. साहित्य में वह परकीया नायिका जो अपने दूतत्व कर्म को स्वयं करती हो, नायक पर अपनी प्रेम वासना को खुद ही जाकर प्रकट करने वाली परकीया नायिका।

स्वयंपाक पुं. (तत्.) अपना भोजन स्वयं पकाना, अपनी उदरपूर्ति के लिए खुद की जाने वाली पाक क्रिया।

स्वयंपाकी पुं. (तत्.) 1. अपना भोजन स्वयं पकाने वाला व्यक्ति 2. ऐसा व्यक्ति जो केवल स्वयं का पकाया हुआ ही भोजन करता हो, वह व्यक्ति जो किसी अन्य के द्वारा पकाया हुआ भोजन न करता हो।